Functioning of core industrial scctoi

3581. SHRI S.K.T. RAMACHAN-DRAN: Will the Minister of PLANING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what step has been taken by Government to ensure smooth functioning Of the core industrial infras-tructural sectors;

(b) what we the bottlenecks faced by some of the sectors; and

(c) what corrective measures havo been suggested to concerned administrative Ministries to remove the bottlenecks?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI SUKH RAM): (a) The per-formance of the core industrial in-frastructural sectors is closely monitored at various levels in the Government to ensure their smooth functioning.

(b) The bottlenecks faced by some of the core sectors are as follows:

(i) Petroleum .	Technical factors
(ii) Railways . .	Resource crunch
(iii) Power . . .	Financial constraints

(c) The corrective measures to tide over the bottlenecks arising out o5 technical reasons are applied by the concerned administrative Minis tries and the operational problems of cooddination are reviewed periodi cally and accordingly addressed to.

समेकित ग्रामीण ऊर्जा आयोजना

3582. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटू भाई पटेल :
क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री 27 जुलाई, 1992 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 1837 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन स्थानों पर समेकित ग्रामीण ऊर्जा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं किए/जा रहे हैं;

(ख) इन केन्द्रों के उद्देश्य क्या है ;

(ग) ये उद्देश्य किस हद तक पूरे हुए हैं;

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान समेकित ग्रामीण ऊर्जा योजना के अंतर्गत रखे गए प्रस्तादों का ब्यौरा क्या है ; और

(ड.) मध्य प्रदेश में कौन-कौन से क्षेत्र और स्थान इससे लाभान्वित होंगे ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री और गैरपारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना केन्द्र (सीआईआरईपी) की स्थापना बकोली, दिल्ली मे की गई है । इस कार्यक्रम के अंतर्गत योजना आयोग की तकनीकी और वित्तीय सहायता से बंगलोर (कर्नाटक), शिलांग (मेघालय) लखनऊ (उत्तर प्रदेश) तथा खेडा (गुजरात) में चार और प्रशिक्षण एवं अनुसंधान तथा विकास केंद्रों की स्थापना की जा रही है ।

(ख) इन प्रशिक्षण एवं अनुसंधान तथा विकास आई आर ई पी केन्द्रों के उद्देश्यों में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम के आयोजन और कार्यान्वयन के लिए हार्डवेयर तथा साफ्टवेयर संबंधी प्रशिक्षण देना और अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप आयोजित करना शामिल है ।

(ग) दिल्ली में स्थापित एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा केन्द्र ने मार्च, 1990 से कार्य करना शुरू कर दिया है । जुलाई, 1992 तक केंद्र में 49 प्रतिशत प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, सेमिनारों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है । एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना केन्द्र, लखनऊ ने भी कार्य करना शुरू कर दिया है ।